इस प्रयोजन के लिए मंत्रालय में ही एक हिन्दी टाइपिंग प्रशिक्षण यूनिट आरम्भ किया गया है।

(2) मंत्रालय में हिन्दी आशुलिपिकों के एक पूल की व्यवस्था की गई है ताकि हिन्दी में टिप्पण तथा ड्राफ्टिंग का डिक्टेशन देने के लिए अधिकारी उनकी सेवाओं का उपयोग कर सकें।

(3) मंत्रालय में तीन अनुभागों अर्थात रोकड़-1, रोकड़-2 तथा स्थापना-4 सभी तरों पर अपना कार्य केवल हिन्दी में करने के लिए अभिज्ञात किए गए हैं।

(ग) पिछले तीन वर्षों अर्थात 1 .8, 19 .. तथा 1987 (30 जून तक) के दौरान राजभाषा विभाग से 501 पत्र/आदेश आदि प्राप्त हुए तथा जहां कहीं भी अपेक्षित था आवश्यक कार्यवाही की गई है।

(घ) राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित प्रोफार्मा के अनुसार मानीटरिंग पद्धति में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सचिव, अध्यक्ष और सदस्यों द्वारा हिन्दी में किए गए कार्य की जानकारी प्रतिशत के रूप में संकलित करने की व्यवस्था नहीं है। तथापि, वे यथा-संभव अधिक से अधिक सरकारी कार्य राजभाषा हिन्दी में कर रहें हैं।

**हिन्दी सलाहकार समिति की बैठकें**

**198. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :**
**श्री रामचन्द्र विकल :**

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान हिन्दी सलाहकार समिति की जिन बैठकों का आयोजन किया जाना था उनकी संख्या और इसी अवधि में वस्तुतः इस प्रकार की जितनी बैठकें आयोजित की गईं उनकी संख्या कितनी है और प्रत्येक संख्या में बैठकों का आयोजन न किये जाने के क्या कारण है?

(ख) पिछले 18 वर्षों के दौरान हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में राजभाषा अधिनियम और वार्षिक कार्यक्रम को लागू न करने के क्या कारण हैं और क्या इस कार्यक्रम को वर्ष 1987-88 के दौरान लागू किया जायेगा;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान राजभाषा विभाग से कितने पत्र, आदेश इत्यादि प्राप्त हुए और उनके क्रियान्वयन के संबंध में वर्तमान स्थिति क्या है; और

(घ) राजभाषा क्रियान्वयन समिति के सचिव, अध्यक्ष और सदस्यों द्वारा किये जा रहे कार्य में से कितने प्रतिशत राजभाषा हिन्दी में किया जा रहा है?

**गृह मंत्री (श्री बूटा सिंह) :** (क) गत दो वर्षों अर्थात् 1985 और 1986 के दौरान गृह मंत्रालय को हिन्दी सलाहकार समिति की 8 बैठकें होनी अपेक्षित थी--प्रत्येक तिमाही में एक। इस समिति का जून 1985 में पुनर्गठन किया गया था और यही कारण है कि इस वर्ष के दौरान इसकी केवल एक बैठक अक्तूबर के महीने में हो सकी। 1986 के दौरान कुछ अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण इसकी 4 बैठकों की बजाय 3 बैठकें हुई।

(ख) राजभाषा अधिनियम और हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित वार्षिक कार्यक्रम इस मंत्रालय में शुरू से ही कार्यान्वित करने के भरसक प्रयत्न किए जा रहे हैं। वर्ष 1987-88 के कार्यक्रम को कार्यान्वित किया जा रहा है और गृह मंत्रालय के सभी कार्यालयों/अधिकारियों/अनुभागों/डेस्कों से कार्यक्रम के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। अतः राजभाषा अधिनियम और वार्षिक कार्यक्रम को कार्यान्वित न करने का प्रश्न ही नहीं उठता।

(ग) वर्ष 1985-1986 और 1987 के दौरान राजभाषा विभाग से 193 पत्र, आदेश आदि प्राप्त

हुए थे। ऐसे आदेशों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए उनमें यथापेक्षित सदैव तुरन्त कार्रवाई की गई है।

(घ) राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य सचिव वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी हैं जो अपना सभी कार्य हिन्दी में कर रहे हैं। इस समिति के अध्यक्ष और सरकारी सदस्य भी अपना लगभग 15-25 प्रतिशत कार्य हिन्दी में कर रहे हैं। तथापि, समिति की बैठकों में अध्यक्ष हमेशा ही इस समिति के सदस्यों से इस बात का आग्रह करते रहते हैं कि वे अपना अधिक से अधिक काम हिन्दी में करने का भरसक प्रयत्न करें।

**Issue of identity cards in Assam**

199. SHRI B. SATYANARAYAN REDDY: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether there is any scheme to introduce identity cards for people in Assam; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI CHINTAMANJ PANIGRAHI): (a) and (b) A Pilot Scheme for issue of identity cards in 4 selected border/tehsils of Rajasthan is presently under implementation. It is somewhat early to decide on extending the scheme to other areas including in Assam.

**Simlipal National Park in Orissa**

200. SHRI BASUDEV MOHAPATRA: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that maintenance/development of Simlipal National Park in Orissa has been neglected by the authorities concerned;

(b) whether it is a fact that the head office of the concerned authority is functioning at a distance of 300 Kms. from the National Park creating problems to tourists and the public; and

(c) what is the total number of persons engaged permanent/temporarily for the maintenance of this park?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI Z. R. ANSARI): (a) No, Sir.

(b) No, Sir.

(c) 98 persons are engaged permanently for the maintenance of the Similipal National Park. Additional hands are engaged as and when needed.

**Violence inciting speeches made at Boat Club, New Delhi**

201. SHRI PRAMOD MAHAJAN:
SHRI SHANKER SINH VAGHELA:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether highly objectionable and violence-inciting speeches were delivered by certain persons at a rally by a community at Boat Club, Delhi on March 30, 1987; if so, what action under the law has been taken as yet in this regard; and

(b) whether a case has been registered with the Delhi Police as yet and if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) and (b) Yes, Sir. No legal action has so far been taken keeping in view the prevailing communal